

प्रेषक,

सी० भारकर,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उरेडा,  
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 22 जनवरी, 2008

विषय:- बोरबलड़ा लघु जल विद्युत परियोजना, क्षमता 25 कि०वा० की वित्तीय  
एवम् प्रशासनिक स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं०-1966/उरेडा/4(1)/186/बोरबलड़ा/2007,  
दि०-01.11.07 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- शासनादेश सं०-4196/1/2007-03(03)/2/06, दिनांक-08.01.08 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि बोरबलड़ा लघु जल विद्युत परियोजना के निर्माण हेतु आपके उक्त सन्दर्भित पत्र द्वारा परियोजना की कुल आगणित धनराशि-71.12 लाख (रु० इकहत्तर लाख बारह हजार मात्र) के सापेक्ष वित्त विभाग की टी०ए०सी० द्वारा पन्क्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रु०-66.26 लाख (रु० छियासठ लाख छब्बीस हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 2- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों का, जो दरे शैड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है, स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 4- एक मुश्त प्राविधानों को, कार्य करने से पूर्व, विस्तृत ब्यौरा गठित कर सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन कराना आवश्यक होगा।
- 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित किया जाय।
- 6- आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 7- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपर्युक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

प्रसन्न 31/1  
22.01.08

कमश:.....

- 8- आगणन में ली गयी मदों की आपूर्ति, वृहद् प्रचार-प्रसार के उपरान्त प्रतिस्पर्धात्मक दलों के आधार पर ली जाय।
- 9- परियोजना पर व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय पुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, डी0जी0एम0 एण्ड डी0 अथवा टैण्डर/कुटेशन विषयक नियम एवम् मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा। मितव्ययता की मदों में कटौती करने के प्रयास किये जायेंगे।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810 के सुसंगत मदों से यथासमय आवंटित धनराशि एवं भारत सरकार से प्राप्त केन्द्रांश से वहन किया जायेगा। जो धनराशि, जन सहभागिता के रूप में सक्षम लाभार्थी अंश से प्राप्त की जानी है, उसे यथासमय प्राप्त करना सुनिश्चित कर लिया जायेगा। यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं0-906 दिनांक-21 जनवरी, 2008 से प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सी0 भास्कर)  
अपर सचिव।

संख्या: 125 /1/2007-03(3)/29/07, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
- 3- टी0ए0सी0 (वित्त), उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वित्त अनुभाग-2,
- 5- निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
(एम0एम0 सेमवाल)  
अनु सचिव